UNIVERSITY OF RAJASTHAN
JAIPUR

SYLLABUS

M.A HINDI

Semester Scheme

IInd Semester Exam June 2017

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा जून 2017

HIN-201

कम्पलसरी कोर कोर्स

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

भक्ति आन्दोलन : सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आन्दोलन और लोक जागरण, भक्ति साहित्य एवं सामाजिक समरसता, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि, निर्गुण एवं सगुण भक्ति की प्रमुख धाराएँ एवं उनकी शाखाएँ, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।

भारत में सूफीमत का उदय और विकास, सूफीमत के सिद्धान्त, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएँ।

अंक विभाजन :

आलोचनात्क प्रश्न – कुल पाँच (20 x 4 = 80 अंक)

अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10 x 2 = 20 अंक)

सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्यः उद्‌भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग –एक),वाणी वितान, ब्रहमनाल, वाराणसी
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती, इलाहाबाद
5. नलिन विलोचन शर्मा – साहित्य का इतिहास दर्शन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
6. बच्चन सिंह – हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. मैनेजर पाण्डेय – साहित्य और इतिहास दृष्टि, पिपुल्स लिटरेसी, दिल्ली
8. त्रिभुवन सिंह – साहित्यिक निबंध
9. भक्ति काव्य और लोक जीवन – शिवकुमार मिश्र
10. भक्ति काव्य की भूमिका – प्रेमशंकर
11. नाथपंथ और संत साहित्य – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
12. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति – डॉ. श्याम सुन्दर शुक्ल
13. कबीर वाङ्‌मय : सबद, साखी, रमैनी – डॉ. जयदेव सिंह, डॉ. वासुदेव सिंह
14. भये कबीर कबीर – डॉ. शुकदेव सिंह
15. कबीर : एक नई दृष्टि – रघुवंश

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

द्वितीय सत्र
HIN-202
कम्पलसरी कोर कोर्स
द्वितीय प्रश्न पत्र : भक्तिकाव्य

समय : 3 घण्टे   पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. कबीर : कबीर ग्रंथावली – सं. श्याम सुन्दरदास

साखी – गुरूदेव कौ अंग – 6,7,8,12,26
सुमिरण कौ अंग – 3,4,10,12,18
विरह कौ अंग – 10,11,13,27,28
मन कौ अंग – 6,7,9,10,11

पद – 23,24,39,55,72

2. सूरदास : सूरसागर – सं. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद

गोकुल लीला – 34,42
वृंदावन लीला – 11,16,78
राधा कृष्ण – 62,70,111
मथुरा गमन – 10,38,51,
उद्धव संदेश – 9,19,66,75,77,84,102,130,132,141,143,156,186,187,

3. तुलसीदास : विनय पत्रिका, गीता प्रेस गोरखपुर

पद –5,73,84,87,88,90,91,102,105,111,115,124,158,159,162,171,172,174,185,188,198,199,201,202,245,

4. रहीम : ग्रंथावली – सं. विद्यानिवास मिश्र, गोविन्द रजनीश, वाणी प्रकाशन दिल्ली

दोहावली – 4,9,15,25,28,30,56,79,89,105,
बरवै नायिका भेद – 11,15,17,38,48,96,97,107,112,115,
फुटकर पद – 3,5,7,12,13

अंक विभाजन :

व्याख्या – कुल चार (10 x 4 = 40 अंक)

आन्तरिक विकल्प देय
आलोचनात्मक प्रश्न कुल चार (15 x 4 = 60 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय
व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है

अनुशंसित ग्रंथ :

1. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग –एक),वाणी वितान, ब्रहमनाल, वाराणसी
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती, इलाहाबाद

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

6. बच्चन सिंह – हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
7. मैनेजर पाण्डेय – साहित्य और इतिहास दृष्टि, पिपुल्स लिटरेसी, दिल्ली
8. त्रिभुवन सिंह – साहित्यिक निबंध
9. भक्ति काव्य और लोक जीवन – शिवकुमार मिश्र
10. भक्ति काव्य की भूमिका – प्रेमशंकर
11. नाथपंथ और संत साहित्य – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
12. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति – डॉ. श्याम सुन्दर शुक्ल
13. कबीर वाड़्.यम : सबद, साखी, रमैनी – डॉ. जयदेव सिंह, डॉ. वासुदेव सिंह
14. भये कबीर कबीर – डॉ. शुकदेव सिंह
15. कबीर : एक नई दृष्टि – रघुवंश

Registrar

एम.ए. (हिन्दी)
द्वितीय सत्र
HIN-203
कम्पलसरी कोर कोर्स
तृतीय प्रश्न पत्र : भारतीय काव्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचय
2. काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन
3. रस सिद्धान्त –रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण
4. ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का विचार स्रोत, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धान्त का महत्व
5. अलंकार सिद्धान्त – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय
6. रीति सिद्धान्त – रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण
7. वक्रोक्ति सिद्धान्त – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनवाद, वक्रोक्ति का महत्व
8. औचित्य सिद्धांत – औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्व।

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न (~~20 x 4 =~~ 80 अंक)

अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10 x 2 = 20 अंक)

सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश त्र्यंबक देशपांडे, पापुलर बुक डिपो, पूना
2. रसमीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. संस्कृत आलोचना : बलदेव उपाध्याय
4. रस प्रक्रिया : शंकरदेव अवतरे, दिल्ली
5. हिस्ट्री आफ संस्कृत पोएटिक्स : पी.बी.काणे,मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
6. काव्शास्त्र की भूमिका : डॉ.नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज : राममूर्ति त्रिपाठी,राजकमल प्रकाशन दिल्ली
8. ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धान्त : भोलाशंकर व्यास चौखंभा, वाराणसी
9. काव्यशास्त्र : भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. भारतीय काव्य विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परम्परा : डॉ.राधावल्लभ त्रिपाठी
12. ध्वन्यालोक : आचार्य चण्डिका प्रसाद शुक्ल

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – द्वितीय सेमेस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
6 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A01 : राजस्थान के प्रमुख संत कवि

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. जाम्भोजी : भारतीय साहित्य के निर्माता : हीरा लाल माहेश्वरी, साहित्य अकादमी, दिल्ली
   अध्याय 1 : पद – 1,2,4
   अध्याय 2 : पद – 2
   अध्याय 3 : पद – 2,8,13,14,26,39

   संत काव्य : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद से निम्नांकित पाठ्यांश

2. दादूदयाल : पद – 1,2,3,4,5,7 साखी – 1 से 10
3. सुन्दरदास : पद 1 से 4, साखी – 1 से 10
4. सहजो बाई : सम्पूर्ण

अंक विभाजन :

व्याख्या – कुल चार (10 x 4 = 40 अंक)

आन्तरिक विकल्प देय

आलोचनात्मक प्रश्न कुल चार (15 x 4 = 60 अंक)

आन्तरिक विकल्प देय

व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति – डॉ. श्याम सुन्दर शुक्ल
2. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय – पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल
3. उत्तरी भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी
4. संत अंक (कल्याण) – गीता प्रेस, गोरखपुर
5. सह्जो बाई का सहज प्रकाश – वेलवेडियर, प्रेस प्रयाग
6. सुन्दर ग्रंथावली – सं.हरिनारायण शर्मा,

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – द्वितीय सेमेस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
6 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A02 : रसखान

समय : 3 घण्टे — पूर्णांक : 100

पाठ्यांश : रसखान रचनावली : सं. विद्या निवास मिश्र, सत्यदेव मिश्र, वाणी प्रकाशन दिल्ली से निम्नांकित पाठ्यांश

1. सुजान रसखान : पद 3,5,710,13,26,29,31,37,41,56,61,67,82,85,99,103, 124,129,130,140,145,155,159,169,174,191,225,240,248,

2. प्रेम वाटिका : पद 10 से 19 तथा 33 से 42

अंक विभाजन :

व्याख्या – कुल चार (10 x 4 = 40 अंक)

आन्तरिक विकल्प देय

आलोचनात्मक प्रश्न कुल चार (15 x 4 = 60 अंक)

आन्तरिक विकल्प देय

व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार वर्मा
3. हिन्दी के मुसलमान कवियों का प्रेम काव्य – गुरूदेव प्रसाद वर्मा
4. रसखान और उनका काव्य – चन्द्रशेखर पाण्डेय
5. रसखान : जीवन और कृतित्व – देवेन्द्र प्रताप उपाध्याय
6. रसखान ग्रंथावली – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. रसखान : काव्य और भक्ति भावन – डॉ. माजरा असद
8. रसखान पदावली – सं. – प्रभुदत्त ब्रहमचारी

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – द्वितीय सेमेस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
6 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A03 : साहित्य और सिनेमा

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

इकाई 1. सिनेमा का उदय और अवाक् सिनेमा
सवाक् सिनेमा का आरम्भ
सिनेमा और साहित्य का अन्त : संबंध
नाटक और पटकथा – सिनेमा के संदर्भ में

इकाई 2. सिनेमा और भारतीय समाज का संबंध
पौराणिक फिल्मों का दौर
ऐतिहासिक फिल्मों का दौर
सामाजिक फिल्मों का दौर
भारत की सामाजिक समस्याएं और हिन्दी सिनेमा

इकाई 3. हिन्दी सिनेमा और साहित्यकार (गद्यकार)
उर्दू साहित्यकार – मण्टों, कृष्णचन्दर, राजेन्द्र सिंह बेदी
हिन्दी के साहित्यकार – प्रेमचंद, अमृतलाल नागर, भगवती चरण वर्मा, फणीश्वर नाथ रेणु
सिनेमा और साहित्यकार के संबंध

इकाई 4. हिन्दी सिनेमा और साहित्यकार (पद्यकार)
संगीत और सिनेमा
हिन्दी गीत और सिनेमा – नरेन्द्र शर्मा, नीरज, रामवतार त्यागी, राजेन्द्र कृष्ण आदि
हिन्दी गीत की सिनेमा में उपस्थिति : सार्थकता और आवश्यकता

इकाई 5. सिनेमा और समाज का अन्तःसंबंध
दर्शक की प्रतिक्रिया और सिनेमा
सिनेमा की कलात्मकता
सिनेमा में विम्ब विधान
सिनेमा में प्रतीक विधान

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न	(20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा।	(10 x 2 = 20 अंक)

सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. जवरीमल्ल पारख,जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र, अनामिका पब्लिशर्स।
2. रामअवतार अग्निहोत्री, आधुनिक हिन्दी सिनेमा का सामाजिक व राजनीतिक अध्ययन, कामनवेल्थ

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

पब्लिशर्स
3. जवरीमल्ल पारख, लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ, अनामिका पब्लिशर्स
4. विजय अग्रवाल, आज का सिनेमा, नीलकंठ प्रकाशन
5. जवरीमल्ल पारख, हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र, ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन
6. विनोद दास, भारतीय सिनेमा का अंतःकरण, मेधा बुक्स
7. विजय अग्रवाल, सिनेमा और समाज, सत्साहित्य प्रकाशन
8. विनोद भारद्वाज, नया सिनेमा रूपा एंड कम्पनी
9. विजय अग्रवाल, सिनेमा की संवदेना, प्रतिमा प्रतिष्ठान
10. विजय अग्रवाल, सिनेमा और समाज, सत्साहित्य प्रकाशन दिल्ली
11. प्रहलाद अग्रवाल, आधी हकीकत आधा फसाना, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. नई दिल्ली
12. विष्णु खरे, सिनेमा पढ़ने के तरीके, प्रवीण प्रकाशन नई दिल्ली
13. चिदानन्द दास गुप्ता, सत्यजीत राय का सिनेमा, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
14. विनोद दास, भारतीय सिनेमा का अंतःकरण, मेधा बुक्स, दिल्ली
15. तारकोवस्की, अनंत में फैलते बिंब, संवाद प्रकाशन, मुम्बई : मेरठ
16. जवरीमल्ल पारख, जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र : अनामिका पब्लिशर्स दिल्ली
17. जगदीश्वर चतुर्वेदी, जनमाध्यम और मास कल्चर : सारांश प्रकाशन नई दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – द्वितीय सेमेस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
6 में से किन्हीं 3 का चयन करें
HIN-A04 : अनुवाद : सिद्धान्त और प्रविधि

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति । अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्व। बहुभाषी समाज में, परिवर्तन तथा बौद्धिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।
2. अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अुनवाद, भावनुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद। अनुवाद–प्रक्रिया के तीन चरण– विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष–पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थातंरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया)
3. सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं। सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद। किन्हीं दो अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन।
4. कार्यलयीन अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3 (3)के अर्न्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद। शासकीय पत्र / अर्धशासकीय पत्र/ परिपत्र (सर्कुलर) / ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/ कार्यालय आदेश / अधिसूचना / संकल्प–प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/ निविदा–संविदा/ विज्ञापन आदि के संबंधित तकनीकीपरक पारिभाषिक शब्दावली ।
   पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालय , प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाली प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न	(20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा।	(10 x 2 = 20 अंक)

सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. अनुवाद सिद्धान्त एवं समस्याएं : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
2. अनुवाद विज्ञान एवं संप्रेषण : हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अनुवाद सिद्धान्त : डॉ.भोलानाथ तिवारी, साहित्य सहकार, दिल्ली
4. अनुवाद शिल्पः समकालीन संदर्भ : डॉ.कुसुम अग्रवाल, साहित्य सहकार दिल्ली
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और व्यवहारः रघुनन्दन प्रसाद शर्मा वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
6. अनुवाद सिद्धान्त एवं रूपरेखा : डॉ. सुरेश कुमार वाणी प्रकाशन दिल्ली।
7. अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग : जी. गोपीनाथ लोकभारती, इलाहाबाद।
8. अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त तथा अनुप्रयोग : डा.नगेन्द्र, दिल्ली
9. अनुवाद की सामाजिक भूमिका : सीताराम पालीवाल, सचिन प्रकाशन, दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – द्वितीय सेमेस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
6 में से किन्हीं 3 का चयन करें
HIN-A05 : पत्रकारिता और जनसंचार

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

हिन्दी पत्रकारिता :

पत्रकारिता की परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व, पत्रकारिता का इतिहास

पत्रकारिता की विधाएं–प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया

मुक्त प्रेस की अवधारणा, प्रेस कानून और आचार–संहिता। लोकतंत्र का चतुर्थ स्तंभः पत्रकारिता

जनसंचार :

जनसंचार – परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व।

संचार – परिभाषा, प्रकृति, महत्व एवं प्रकार, जनसंचार के सिद्धान्त

जनसंचार के माध्यम – प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, परम्परागत माध्यम जनसंचार एवं विकास

रिर्पोटिंग और सम्पादन :

समाचार पत्र संगठन की संरचना (संपादकीय, प्रबंधन व प्रसार की रूपरेखा)

रिर्पोटिंग – परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व, रिपोर्टर के गुण, कार्य एवं दायित्व

संपादन – परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व, सम्पादक एवं उपसंपादक के कार्य एवं दायित्व

समाचार पत्र के सम्पादन में बरती जाने वाली सावधानियाँ

जनसम्पर्क एवं विज्ञापन :

जनसम्पर्क – परिभाषा, प्रकृति,उद्देश्य एवं महत्व, सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्रों में जनसम्पर्क, जनमत निर्माण

विज्ञापन – परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व, विज्ञापन के विभिन्न प्रकार

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न (20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

अनुशासत ग्रथ :

हिन्दी पत्रकारिता का वृह्द इतिहास : अर्जुन तिवारी
पत्रकारिता एवं संपादन कला : एन.सी.पंत
हिन्दी पत्रकारिता : डॉ.धीरेन्द्रनाथ सिंह
समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे – राजकिशोर
जनसम्पर्क एवं विज्ञापन : संतोष गोयल
पत्रकारिता की चुनौतियां : गणेश मंत्री
रूपक लेखन : ब्रजभूषण सिंह

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – द्वितीय सेमेस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
6 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A06 : मीरा

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश : मीरा पदावली : सं. डॉ. शम्भुसिंह मनोहर, रिसर्च पब्लिकेशन जयपुर से निम्नांकित पाठ्यांश

पद – 01 से 100 तक

अंक विभाजन :

व्याख्या – कुल चार (10 x 4 = 40 अंक)

आन्तरिक विकल्प देय

आलोचनात्मक प्रश्न कुल चार (15 x 4 = 60 अंक)

आन्तरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथ :

1. उत्तर भारत की संत परंपरा : परशुराम चतुर्वेदी
2. मीराँ – मंदाकिनी : नरोत्तमदास स्वामी
3. मीराँ : माधुरी : ब्रजरत्नदास
4. मीराँ : एक अध्ययन – पद्मावती शबनम
5. मीराँ का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी
6. मीराँ, सहजो और दयाबाई : वियोगी हरि
7. मीराँ–पदावली – परशुराम चतुर्वेदी
8. मीराँ वृहत–पद–संग्रह – पद्मावती शबनम
9. मीराँ की प्रेम साधना – भुवनेश्वर 'मिश्र' माधव
10. पचरंग चोला पहन सखी री : माधव हाड़ा
11. राजस्थानी भाषा और साहित्य – डॉ. मोतीलाल मेनारिया
12. राजस्थानी भाषा और साहित्य – डॉ. हीरालाल माहेश्वरी
13. मध्यकालीन हिन्दी कविय त्रियां – सावित्री सिन्हा
14. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास – डॉ. सुमन राजे

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR